NEWS CLIPPING: 18.07.2021

THE IMPRESSIVE TIMES

INTERNATIONAL CONFERENCE ON 'RECENT ADVANCES IN CHEMICAL SCIENCES' CONCLUDED

Faridabad : The three-day online International Conference on 'Recent Advances in Chemical Sciences-2021' organized by the Department of Chemistry of J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA Faridabad concluded here. As many as 150 participants from across India and abroad participated in the Conference. Prof. Om Prakash Arora from Kurukshetra University, Kurukshetra was chief guest in the valedictory session. The session was presided over by Vice Chancellor Dinesh Kumar. Registrar Dr. S.K. Garg was also present on this occasion. Speaking on this occasion, Prof. OP Arora highlighted the importance of practical chemistry and expressed his concern for the loss of experimental study in the pandemic time. Earlier, Dean of Faculty of Science Prof Ashutosh Dixit welcomed the guests and dignitaries. The chairperson of Department of Chemistry Dr. Ravi Kumar presented the brief summary of the conference. He informed that various young researchers across the globe participated in the conference and presented their work in form of oral and e-posters. There were parallel sessions for e-posters and oral presentations for first two day of the conference.

NEWS CLIPPING: 18.07.2021

SATYAJAY TIMES

रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रगति विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

फरीदाबाद, 17 जुलाई, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रगति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय आनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हो गया। सम्मेलन में भारत और विदेशों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के समापन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा मुख्य अतिथि थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति दिनेश कुमार ने की।

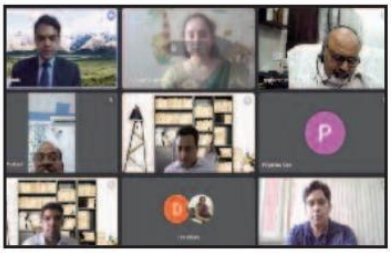

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. ओपी अरोड़ा ने व्यावहारिक रसायन विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला और महामारी के दौरान प्रायोगिक अध्ययन न हो पाने पर चिंता जताई। इससे पहले विज्ञान संकाय के डीन प्रो आशुतोष दीक्षित ने अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने सम्मेलन का संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि दुनिया भर के विभिन्न युवा शोधकताओं ने सम्मेलन में भाग लिया और मौखिक एवं ई-पोस्टर के रूप में अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया।

सम्मेलन के पहले दो दिनों में ई-पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियों के समानांतर सत्र आयोजित किये गये थे। सम्मेलन के दौरान शोधकताओं द्वारा लगभग 16 चयनित मौखिक प्रस्तुतियाँ और 144 ई-पोस्टर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में इजराइल, यूएसए, यूके और जापान प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। तकनीकी सत्रों में दुनिया भर के वक्ताओं के व्याख्यान आयोजित किये गये, जिसमें कार्डिफ यूनिवर्सिटी, यूके से प्रो. थॉमस विर्थ, यूएसए के डॉ. पवन कुमार, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी, यूएसए से प्रो. एंथनी कोजोलिनो और प्रो. एंथनी कोजोलिनो प्रमुख रहे। पंजाब यूनिवर्सिटी , चंडीगढ़ प्रो. एसके मेहता, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से डॉ मोहम्मद पलाशुद्दीन, बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय से डॉ सलीम जावेद, आईआईटी कानपुर से प्रो. आरएन मुखर्जी, सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई से डॉ अरविंद कुमार, आईआईटी तिरुपति से प्रो सीपी राव और आईआईटी कानपुर से प्रो. प्रतीक सेन और कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने भी संबोधित किया। सत्र के अंत में डॉ. अमित राजपूत के धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

NEWS CLIPPING: 18.07.2021

PUNJAB KESARI

रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रगति विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

फरीदाबाद,17 जुलाई (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 'रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रगति' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय आनलाइन अंतर्राष्ट्रीय स मेलन संपन्न हो गया।

सम्मेलन में भारत और विदेशों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। स मेलन के समापन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा मु य अतिथि थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. ओपी अरोडा ने व्यावहारिक रसायन विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला और महामारी के दौरान

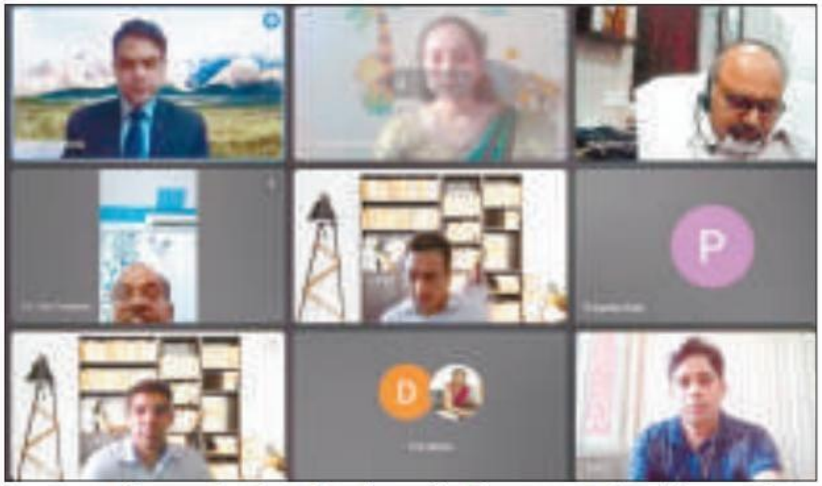

रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रगति' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय स मेलन में हिस्सा लेते हुए प्रोफेसर।

प्रायोगिक अध्ययन न हो पाने पर चिंता जताई। इससे पहले विज्ञान संकाय के डीन प्रो आशुतोष दीक्षित ने अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। तकनीकी सत्रों में दुनिया भर के वक्ताओं के व्या यान आयोजित किये गये, जिसमें कार्डिफ यूनिवर्सिटी, यूके से प्रो. थॉमस विर्थ, यूएसए के डॉ. पवन कुमार, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी, यूएसए से प्रो. एंथनी कोजोलिनो और प्रो. एंथनी कोजोलिनो प्रमुख रहे।

NEWS CLIPPING: 18.07.2021

HINDUSTAN

'रसायन विज्ञान में शोध अनिवार्य'

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रगति विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हो गया। इसमें रसायन विज्ञान में शोध की अधिक आवश्यकता पर जोर दिया गया।

सम्मेलन में भारत और विदेशों से करीब 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के समापन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, के प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा मुख्य अतिथि रहे और सत्र की अध्यक्षता कुलपति दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग भी उपस्थित रहे। प्रो. ओपी अरोड़ा ने व्यावहारिक रसायन विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला और महामारी के दौरान प्रायोगिक अध्ययन नही हो पाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कोरोना के मद्देनजर रसायन विज्ञान में अधिक शोध की आवश्यकता है। इससे पहले विज्ञान संकाय के डीन प्रो आशुतोष दीक्षित ने अतिथियों एवं गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

144 ई-पोस्टर प्रस्तुत किए गए

रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार ने सम्मेलन का संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि दुनिया भर के विभिन्न युवा शोधकर्ताओं ने सम्मेलन में भाग लिया और मौखिक एवं ई-पोस्टर के रूप में अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। सम्मेलन के पहले दो दिनों में ई-पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियों के समानांतर सत्र आयोजित किए गए। सम्मेलन के दौरान शोधकर्ताओं द्वारा लगभग 16 चयनित मौखिक प्रस्तुतियां और 144 ई-पोस्टर प्रस्तुत किए गए।

NEWS CLIPPING: 18.07.2021

DAINIK JAGRAN

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 144 ई-पोस्टर प्रस्तुत किए गए

वि., फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रगति विषय पर चल रहा तीन दिवसीय आनलाइन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हो गया। सम्मेलन में देश और विदेश के लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन सत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रो. ओम प्रकाश अरोड़ा मुख्य अतिथि थे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग भी उपस्थित थे।

प्रो. ओपी अरोड़ा ने व्यावहारिक रसायन विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला और महामारी के दौरान प्रायोगिक अध्ययन न हो पाने पर चिंता जताई। इससे पहले विज्ञान संकाय के डीन प्रो.आशुतोष दीक्षित ने अतिथियों का स्वागत किया। रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. रवि कुमार ने सम्मेलन का संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत किया। सम्मेलन के पहले दो दिनों में ई-पोस्टर और मौखिक प्रस्तुतियों के समानांतर सत्र आयोजित किए गए थे।

सम्मेलन के दौरान शोधकर्ताओं द्वारा लगभग 16 चयनित मौखिक प्रस्तुतियां और 144 ई-पोस्टर प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन में इजराइल, यूएसए, यूके और जापान प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। तकनीकी सत्रों में कार्डिफ यूनिवर्सिटी, यूके से प्रो. थॉमस विर्थ, यूएसए के डा.पवन कुमार, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी यूएसए से प्रो. एंथनी कोजोलिनो प्रमुख वक्ता रहे।

पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ प्रो. एसके मेहता, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से डा मोहम्मद पलाशुद्दीन, बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय से डा. सलीम जावेद, आइआइटी कानपुर से प्रो. आरएन मुखर्जी, सीएसआइआर-सीएसएमसीआरआइ से डा अरविंद कुमार, आइआइटी तिरुपति से प्रो. सीपी राव ने भी सत्रों को संबोधित किया।